एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 03, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2023)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

कड़कनाथ मुर्गीपालन: सम्पूर्ण जानकारी

(*पवन आचार्य)
राजस्थान कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)
*संवादी लेखक का ईमेल पता: pawanacharya93@gmail.com

जब भी बात चिकन की चलती है तो कड़कनाथ का जिक्र ना हो ऐसा हो ही नहीं सकता। कड़कनाथ अपने ऑषधिये गुणों और स्वाद के लिए जाना जाता है। फ़िलहाल बाजार की बात करें तो कड़कनाथ मुर्गे की और इसके अंडो की मार्किट में बहुत ही ज्यादा डिमांड है। इसके साथ इसमें किसानो को बचत भी काफी ज्यादा हो जाती है। ऐसे में कड़कनाथ मुर्गी पालन करना किसानो के लिए बहुत ही फादेमंद सौदा होता है।

कड़कनाथ मुर्गीपालन करने में वैसे कुछ खास दिक्कते नहीं आती लेकिन फिर भी ऐसी बहुत सी बातें होती है जिनको ध्यान में रखकर कड़कनाथ मुर्गी का पालन करना पड़ता है। लेकिन अगर आपने कड़कनाथ मुर्गीपालन कर लिया तो ये भी तय है की आप फिर लाखों में कमाने वाले हो। आज के इस आर्टिकल में हम आपको कड़कनाथ मुर्गीपालन के बारे में डिटेल में बतायेंग।

कड़कनाथ मुर्गा – Kadaknath Murga

कड़कनाथ मुर्गी झाबुआ जिले के कठ्ठिवाड़ा और अलीराजपुर के जंगलों में पाई जाती थी। मध्यप्रदेश में कड़कनाथ मुर्गी को जीआई का टैग भी मिला हुआ है। इसका मतलब होता है की इसके जैसी और मुर्गी कहीं और नहीं है। कड़कनाथ मुर्गी में बहुत ही खास गन होते है और इसके इन्ही गुणों के कारण आज ये इतनी मशहूर हो गई है की इसकी मार्किट में डिमांड भी ठीक से पूरी नहीं हो पाती। जिस जीआई अभी बात की वो टैग एक खास तरह का टैग होता है जिससे इसकी भौगोलिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है। कड़कनाथ मुर्गी के अण्डो की भी मार्किट में बहुत ही ज्यादा डिमांड है। कड़कनाथ मुर्गी और उसके अंडे एक तरफ से खास माने जाते है क्योंकि इनके विशेष गुणों के कारण ये बहुत से रोगों के इलाज में भी काम आते हैं।

कड़कनाथ मुर्गी की खासियत क्या है? (Kadaknath Murge Ki Khaiyat)

कड़कनाथ मुर्गी पालन में किसानो को बहुत फायदा होता है। कड़कनाथ मुर्गी की खासियत भी बहुत है। यहां आपको कुछ खासियत आपको बताते हैं हम। देखिये कड़कनाथ मुर्गी की खासियत –

भारत में ही पाई जाती है

जी हां किसान भाइयों। कड़कनाथ मुर्गी केवल भारत में ही पाई जाती है। इसके लावा पूरी दुनिया से कड़कनाथ मुर्गी आपको देखने को नहीं मिलेगी। कड़कनाथ मुर्गे कोई सामान्य मुर्गे नहीं है बल्कि ये एक दुर्लभ प्रजाति के मुर्गे हैं। ये मुर्गे बाकि देशी मुर्गों से महंगे, स्वाद में अच्छे और बहुत सी बिमारियों के इलाज के लिए भी काम में लिए जाते हैं। इस मुर्गे को स्थानीय भाषा में काली भी कहा जाता है क्योंकि इसका रंग पूरी तरह से काला होता है।

झाबुआ आदिवादी समुदाय के पूजनीय

कड़कनाथ मुर्गी झाबुआ आदिवासी समुदाय के लिए बहुत ही पवित्र है और वे लोग इसकी पूजा करते हैं। पहले इस मुर्गे को केवल मध्यप्रदेश के बस्तर के आदिवासी ही पाला करते थे। उनके लिए ये बहुत ही पवित्र है और वे लोग दिवाली पूजा पर देवी के सामने इसकी बलि देते थे और फिर उसको खाते थे।

कड़कनाथ मुर्गे को जीआई टैग

कड़कनाथ मुर्गी एक ऐसी प्रजाति है जिसको जीआई टैग मिला हुआ है। मध्यप्रदेश सरकार ने इसको हासिल क्या था। कड़कनाथ मुर्गे पलने का पहला फार्म साल 1978 में मध्यप्रदेश में ही स्थापित किया गया था।

सेहत के नजरिये से फायदेमंद

कड़कनाथ मुर्गी सेहत के लिए भी बेहतरीन माना जाता है। कड़कनाथ मुर्गे में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है जो की सेहत के लिए काफी बढ़िया रहती है। ये मुर्गा बाकि मुर्गों की तुलना में महंगा मिलता है।

कड़कनाथ मुर्गी पालन के लिए ध्यान रखने वाली बातें-

कड़कनाथ मुर्गीपालन करने से पहले बहुत सी बाते ऐसी होती है जिनका ध्यान रखना होता है। किसान भाइयों को कड़कनाथ मुर्गी का पालन शुरू करने से पहले ये सभी बाते जरूर पता होनी चाहिए। हमने यहां एक लिस्ट बनाई है जो की आप सभी को कड़कनाथ मुर्गीपालन करने से पहले ध्यान में राखी चाहिए। देखिये कड़कनाथ मुर्गी पालन करने से पहले ध्यान रखने वाली जरुरी बातें।

- अगर आप पहली बार कड़कनाथ मुर्गीपालन शुरू कर रहे है तो आपको छोटे स्तर पर इस काम को शुरू करना चाहिए।
- मुर्गी पालन शुरूकरने से पहले ही आपको चूजे कहाँ से लेने हैं, ये तय कर लेना चाहिए।
- कड़कनाथ मुर्गीपालन शुरू करने से पहले ही आपको इस काम में आने वाली सभी चीजें जैसे उपकरण, मुर्गियों का दाना आदि का प्रबंध करना चाहिए।
- कड़कनाथ मुर्गे बहुत ही महंगे होते है इसलिए फार्म में हमेशा साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा ताकि कोई बीमारी नजदीक ना आये।
- समय समय पर मुर्गियों को डॉक्टर से टीकाकरण करवाना भी जरुरी होता है।
- कड़कनाथ मुर्गीपालन शुरू करने से पहले आपको इसको बेचने के मार्किट का भी एक बार सर्वे जरूर करना चाहिए।
- कड़कनाथ मुर्गीपालन से पहले ही आपको इसके रहने की व्यवस्था प्रॉपर तरीके से करनी होगी।
- तो ये कुछ बाते हैं जो आपको कड़कनाथ मुर्गीपालन शुरू करने से पहले जाननी बहुत जरुरी है।

कड़कनाथ मुर्गा पालन करने की पूरी जानकारी –कड़कनाथ मुर्गीपालन करने के लिए आपको ज्यादा खर्चे की जरुरत नहीं होती है। और साथ में अगर आपको लगता है की बड़े स्तर पर कड़कनाथ मुर्गी पालन को अफोर्ड नहीं कर सकते तो आप छोटे से भी इसकी शुरुआत कर सकते हो। कड़कनाथ मुर्गीपालन आपको निचे बताये गई बातों को फॉलो करना होगा। इन सबके बारे में हमने साथमे डिटेल में बताया है।

जानकारी एकत्रित करें: ये आपको Kadaknath Murgi Palan करने का पहला और सबसे अहम् काम है। इसी के जरिये आपको कड़कनाथ मुर्गी पालन के बारे में साड़ी जानकारी मिलेगी। आपको अपने इलाके में जो भी कड़कनाथ मुर्गी पालन के केंद्र है वहाँ सम्पर्क करके कड़कनाथ मुर्गी पालन की जानकारी हासिल करनी है। इससे आपकोपता लगेगा की कौन कौन ऐसी चीजें है जो आपको मुर्गी पालन के दौरान करनी है। साथ में आपको ये भी आईडिया लग जायेगा की आपको चूजे कहाँ से खरीदने हैऔर उनकी देखभाल कैसे करनी है।

कड़कनाथ मुर्गी पालन के लिए जगह का चुनाव कैसे करें – कड़कनाथ मुर्गीपालन करने के लिए आपको एक ऐसे स्थान का चुनवा करना होगा जहां भीड़ भाड़ ना हो और ज्यादा शोरशराबा भी ना हो। जगह कितनी

बड़ी होनी चाहिए ये निर्भर करेगा की आप कितने बड़े स्तर पर अपना कड़कनाथ मुर्गी पालन का व्यवसाय करना चाहते है। अगर आप 50 कड़कनाथ मुर्गी के साथ अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते है तो आपको लगभग 50 स्क्वायर फ़ीट की जगह पर्याप्त रहेगी।कड़कनाथ मुर्गीपालन के लिए जिस जगह का चुनवा आप करेंगे वो खेले में हो और खेतों के पास में हो तो बहुत ही अच्छा रहेगा क्योंकि इससे खेतों में से कड़कनाथ मुर्गियां अपना खाना अरेंज कर लेंगी और आप पर उनके चारे का प्रबंध करने पर अधिकार्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

कड़कनाथ मुर्गी पालन के लिए सेड का निर्माण कैसे करें – कड़कनाथ मुर्गीपालन करने के लिए आपको सेड एक खुले स्थान पर बनानी चाहिए। सेड की दीवारे आपको जालीदार बनानी चाहिए ताकि उनमे से हवा आरपार हो सके। जालीदार दीवारों पर आपको शर्दियों के लिए परदे भी लगाने होंगे ताकि कड़कनाथ मुर्गियों को सर्दी से बचाया जा सके।

सेड की छत पर आप कौशिक करे की जो टिन आप इस्तेमाल करे वो सीमेंट की हो। क्योकि लोहे की टिन जल्दी गर्म हो जाती है और गर्मियों में से कड़कनाथ मुर्गियों के लिए अच्छी नहीं रहेगी। साथ में आपको रात के लिए लाइट का भी अच्छे से करना होगा ताकि रात के समय सेड में अँधेरा ना रहे।

कड़कनाथ मुर्गी पालन में मुर्गियों के लिए आहार का प्रबंध करें – अगर आप कड़कनाथ मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू कर रहे है तो आपको उनके आहार का भी प्रबंध करना होगा। वैसे अगर आपने अपने सेड का निर्माण खेतों में करवाया है तो आपको ज्यादा मात्रा में आहार का प्रबंध नहीं करना होगा क्योंकि खेतों से कड़कनाथ मुर्गियां अपना खाने का प्रबंध खुद ही कर लेंगी।

कड़कनाथ मुर्गियों के लिए आहार का प्रबंध आप करेंगे उसमे प्रोटीन, खनिज और कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में होना चाहि। कड़कनाथ मुर्गियों के आहार में आप बाजरा, चावल का चोकर, मकई का चोकर, सरसों की खली आदि का प्रबंध करें। आजकल मार्किट में आपको इन सबका मिश्रण भी मिल जायेगा जो आपको उचित दामों पर मिल जायेगा। बहुत से कंपनियां है जो कड़कनाथ मुर्गियों के लिए आहार बनती है। वो मुर्गियों के लिए संतुलित आहार होता है। आप उसको खरीदकर अपने कड़कनाथ मुर्गी पालन के लिए इस्तेमाल कर सकते है।

कड़कनाथ मुर्गी पालन में लागत कितनी आती है –वैसे तो कड़कनाथ मुर्गीपालन करने में ज्यादा खर्चा नहीं आता है। फिर कड़कनाथ मुर्गीपालन करने के लिए आपको जगह की व्यवस्था करनी होगी। आपको सेड का निर्माण करवाना होगा। आपको उनके आहार का प्रबंध करना होगा और सबसे महत्वपूर्ण खर्चा चूजों को खरीदकर लाना होगा।

जगह अगर आपके पास खुद की नहीं है तो आपको सलाह देंगे की आप किराये पर कोई जगह लीजिये और उस पर अपना कड़कनाथ मुर्गी पालन का व्यवसाय शुरू करें। अगर आप अपनी जगह खरीदेंगे तो आपको बहुत महंगा पड़ेगा। इसके बाद आपको शेड बनवाने के लिए लगभग आप 50000 रुपये मान कर चलिए अगर आप 50 चुओं के साथ शुरू करते हो तो।

इसके अलावा आपको कड़कनाथ मुर्गियों के लिए आहार का प्रबंध करना होगा जिसमे आपका लगभग 15000 रुपये का शुरू में खर्चा आएगा। अब बात करते है की चूजे कितने में मिलेंगे। तो देखिये कड़कनाथ मुर्गी पालन के लिए चूड़े खरीदने में आपको लगभग 10000 रुपये का खर्चा आएगा। इसमें आपका व्यवसाय आराम से शुरू हो जायेगा।

50 कड़कनाथ मुर्गियों से आप इनकी संख्या बढाकर आगे इसको बड़े व्यवसाय का रूप दे सकते हैं। एक बात का आप ध्यान रखें की आपको मुर्गी और मुर्गा दोनों ही अपना फार्म में रखने है ताकि इनकी संख्या बढ़ती रहे।

कड़कनाथ मुर्गी पालन में कितनी कमाई होती है – कड़कनाथ मुर्गीपालन व्यवसाय एक बहुत ही फायदे वाला व्यवसाय है। नार्मल मुर्गों की तुलना में कड़कनाथ मुर्गे बहुत महंगे है। साथ में कड़कनाथ मुर्गियों के अंडे भी महंगे दामों पर बिकते है। फ़िलहाल तो देश में डिमांड अधिक है और पैदावार कम है। इस कारण से फ़िलहाल कड़कनाथ मुर्गियों का पालन करना बहुत ही फायदेमंद सौदा रहने वाला है।

कड़कनाथ मुर्गे की बाजार में कीमत फ़िलहाल 3000 रुपये के आसपास है। इसके अलावा आप कड़कनाथ मुर्गी के अंडे भी बेचकर कमाई कर सकते हैं। कड़कनाथ मुर्गी के अंडे की बाजार में कीमत 30 रुपये है। और साथ में अगर आप अपनी इनकम इसमें बढ़ाना चाहते है तो आप चूजों की बिक्री भी कर सकते है। कड़कनाथ मुर्गियों का एक चूजा लगभग 80 से 100 रुपये में बिकता है।

कड़कनाथ मुर्गे की कीमत अधिक होना इसके खास गुणों के कारण है। कड़कनाथ मुर्गा सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है। कड़कनाथ मुर्गे और इसके अंडे बहुत सी दवाओं में भी काम लिए जाता है।

कड़कनाथ मुर्गी पालन में ध्यान रखने वाली बातें –अगर आप कड़कनाथ मुर्गी पालन करने जा रहे है तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। इसके बिना आप अपना कड़कनाथ मुर्गी पालन का काम ठीक से नहीं कर पाएंगे। देखिये कड़कनाथ मुर्गी पालन में आपको किन किन बातों का ध्यान रखना होगा।

- सबसे पहले तो आप्कोये ध्यान रखना है की आप अगर कड़कनाथ मुर्गी पालन करना चाहते है तो आपको इसे छोटे स्तर पर शुरू करना चाहिए। जब आपको कदनकथ मुर्गी पालन का पूरा ज्ञान हो जाये ।
- कड़कनाथ मुर्गीपालन के लिए सेड का निर्माण हमेशा खुले में और हवादार जगह में होना चाहिए।
- कड़कनाथ मुर्गीपालन की जगह हमेशा शहर और गावं से थोड़ी दुरी पर ही नैननि चाहिए ताकि किसी भी तरह की परेशानी ना हो।
- यदि आपको कड़कनाथ मुर्गीपालन की जानकारी नहीं है तो पहले इसके बारे में आपको ट्रेनिंग लेनी चाहिए।
- अपने कड़कनाथ मुर्गी फार्म में हमेशा एकदम स्वच्छ चूजों को लेकर आये। बीमार चूजे दूसरी मुर्गियों को भी बीमार करेंगे और इससे आपका नुकसान होगा।
- अपने मुर्गी फार्म की समय समय पर सफाई जरूर करें ताकि फार्म में गंदगी ना फैले और मुर्गियों को बिमारियों से बचा सकें।
- कड़कनाथ मुर्गियों को समय समय पर उचित टीकाकरण की जरुरत होती है तो इसके लिए जरूर प्रबंध करें।
- अपने कड़कनाथ मुर्गों को उनके पूरा वजन होने पर ही मार्किट में बेचे इससे आपको मुनाफा अधिक मिलेगा।

कड़कनाथ मुर्गा पालन करने के फायदे – अगर आप कड़कनाथ मुर्गा पालन शुरू करने जा रहे है तो आपको इसके फायदों के बारे में भी पता होना जरुरी है। कड़कनाथ मुर्गा पालन के बहुत से फायदे है जिमे से कुछ हम आपको यहाँ बता रहे हैं।

कड़कनाथ कितने दिन में तैयार होता है – कड़कनाथ मुर्गा देशी मुर्गियों के मुकाबले अधिक दिन में तैयार होता है। जहां बाकि मुर्गे 40 से 50 दिन में तैयार हो जाते है वहीँ कड़कनाथ को तैयार होने में 70 से 80 दिन का समय लगता है। इसलिए जब आपका कड़कनाथ मुर्गा पूरी तरह से तैयार हो जाये तभी इसको बाजार में बेचें। कड़कनाथ मुर्गा बाजार में 1000 रूपए प्रति किलो के हिसाब से बिकता है। इसलिए जितना अधिक वजन होगा उतना ही आपको फायदा अधिक होगा।

मार्किट में डिमांड: कड़कनाथ मुर्गे सेहत के लिए बहुत ही उत्तम माने जाते है इसलिए इनकी बाजार में डिमांड बहुत अधिक है और ये तुरंत बिक्री हो जाते है। इसलिए इनसे मुनाफा भी अधिक होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता: कड़कनाथ मुर्गों में नार्मल मुर्गों की तुलना में रोग प्रतिरिधक छमता अधिक होती है इस कारण से इनमे कोई बीमारी जल्दी से नहीं आती। अगर बीमारी जल्दी से नहीं आएगी तो आपके मुर्गे स्वावस्थ होंगे और आपको किसी भी प्रकार का नुक्सान होंगे की सम्भावना ना के बराबर हो जाती है।

आसान रखरखाव: कड़कनाथ मुर्गीपालन में रखरखाव नाम मात्रा का होता है। जहां नार्मल मुर्गी फार्म में बहुत से तामझाम करने होते है वहीं कड़कनाथ के केश में ऐसा बिलकुल भी नहीं है। ये आसानी से अपने आप को एडजस्ट कर लेते हैं।

खर्चा कम मुनाफा अधिक: कड़कनाथ मुर्गीपालन में आपको खर्चा बहुत ही कम करना होता है। इनके दाना पानी में भी बहुत अधिक खर्च नहीं होता।

बिमारियों के इलाज में काम आते है: कड़कनाथ की मार्किट में अधिक डिमांड होने का एक कारण ये भी है की कड़कनाथ का मांस दिल के मरीजों, डायबिटीज के रोगियों और कैंसर के रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। बताया जाता है की कड़कनाथ मुर्गे का मंद इन बिमारियों में रहता प्रदान करके में सक्षम होता है।